मेहनतकशों का पैग़ाम

मेहनतकशों के नाम

मज़दूर मोर्चा

पाक्षिक

Email : mazdoormorcha@yahoo.co.in
www.mazdoormorcha.com

Postal Reg. No. L/H.R/FBD/463-06 /R.N.I. No. 66400/97

- गैस्ट टीचर की दादागिरी के हवाले एक स्कूल
- प्रशासनिक ढिलाई व हिन्दुत्व की आग में झुलसा गांव — 3

- अरूणा शानबाग की मौत: क्या बदला 42 वर्षों में — 5

- पशुओं में बांझपन की बढती बिमारी
- जलवायु परिवर्तन के सवाल पर एक पहल — 6

- केन्द्रीय श्रम मन्त्री से फ़रीदाबाद में मेडिकल कॉलेज की आस बढी — 8

वर्ष 28 अंक 15 फरीदाबाद, सोमवार, 1-15 जून 2015 फोन : - 9999595632 2 ₹

मदहोशी में डूबा मोदी का एक साल

भ्रष्टाचार, महंगाई और बेरोजगारी ने जनता को बेहाल किया हुआ है और नरेन्द्र मोदी के मन्त्री उनकी डुगडुगी पीट रहे हैं। मोदी के प्रधान मन्त्री बनने का एक साल पूरा होने के अवसर पर सभी में होड़ लगी है कि कैसे जनता को वह सारे सब्ज़ बाग़ दिखाये जायें जो हैं नहीं। लिहाज़ा कल्पित योजनाओं का हवाला दिया जा रहा है, असफलताओं को कांग्रेस के मत्थे मढा जा रहा है और देशवासियों को बताया जा रहा है कि विदेशों में मोदी नाम के झंडे गड़ गये हैं। दरअसल चाटुकारों की फ़ौज मोदी को विश्व इतिहास का सबसे बड़ा महापुरुष सिद्ध करने में लगी हुई है। अधिकांश मीडिया खरीद लिया गया है और आत्म-मुग्ध मोदी के फ़ोकस से जनता नदारद हो चुकी है। कार्पोरेट जगत में भी फूट है क्योंकि चन्द चहेते उद्योगपतियों पर मोदी सरकार जरूरत से ज़्यादा मेहरबान है।

मज़दूर मोर्चा, दिल्ली ब्यूरो

कौन जानता था कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के एक साल के शासन की सबसे बड़ी उपलब्धि मात्र यही होगी कि विकास जैसे सकारात्मक शब्द को भी एक जुमला बना दिया गया है। स्वयं मोदी का आलम यह है कि वे रात को दिन बताने में ज़रा भी नहीं हिचकते। दरअसल भाजपा और संघ को इतने विश्वास से झूठ बोलने वाला नेता शायद ही मिल पाये।

जैसे पुलिस के मुकदमे पेशेवर फ़र्जी गवाहों के मोहताज होते हैं, उसी तरह की सेवायें अपनी पार्टी और सरकार को दे रहे हैं। इतने विश्वास-भरे लहजे से वे सफ़ेद झूठ बोलते हैं कि लगता है पृथ्वी पर स्वर्ग उतरने में ज़्यादा देर नहीं है। पुलिस के फ़र्जी गवाहों का एक और काम दूसरों का चरित्र हनन करना भी होता है। इसी परम्परा को निभाते हुए मोदी भी अपने तमाम पूर्ववर्तियों को कोसते रहते हैं। जवाहर लाल नेहरू से लेकर अटल बिहारी वाजपेयी और मनमोहन सिंह तक सभी को भारत की दुर्दशा के लिये ज़िम्मेवार ठहराते हैं। स्वयं को मसीहा सिद्ध करने के लिये वे विदेशी मंचों का भी निर्लज्जता से इस्तेमाल कर रहे हैं।

मोदी और उनके चमचों के पास कहने को कुछ खास नहीं है। लिहाज़ा विदेशों में जाकर अपने देश को गंदा, भ्रष्ट और निकम्मा बताने का उन्होंने बीड़ा उठाया हुआ है। साथ ही वे यह कहना भी नहीं भूलते कि उनके आने के बाद ही हालात बदलने शुरू हुए हैं।

देश में किसान आत्महत्या करते रहें मज़दूर बेरोज़गार फ़िरते रहें, आम आदमी महंगाई से पिस्ता रहे, मोदी की बला से। वे साल में एक बार भी लोगों के बीच उनका दुख-दर्द बांटने नहीं गये हैं। महीने में एक बार 'मन की बात' के नाम पर मोदी का एकतरफ़ा प्रलाप जरूर चलता है। बारह लाख करोड़ के घपलों का आरोप लगा कर मनमोहन सरकार को गाली देने वाले मोदी ने एक भी भ्रष्टाचारी अफ़सर, मन्त्री या कार्पोरेट को जेल भेजने में कोई रूचि नहीं दिखाई।

दरअसल मोदी ने विकास के नाम पर सिर्फ़ एक वर्ग का भला करने की ठानी है। यह वर्ग विशेष है कार्पोरेट वर्ग। सारी योजनायें व कानून इनके हक में बनाये जा रहे हैं। राष्ट्र की सारी योजनायें व कानून इनके हक में बनाये जा रहे हैं। राष्ट्र की सारी भौतिक व प्राकृतिक धरोहर (जल, जंगल और जमीन) इनके हवाले की जा रही है। तमाम राष्ट्रीयकृत बैकों और सरकारी वित्तीय संस्थानों की पूंजी इन्हीं के लिये आरक्षित हो रही है। बदले में इन्हें जनता को लूटने-खाने का लाइसेंस इस तर्क के आधार पर दिया जा रहा है कि यदि इनसे छेड़छाड़ की गयी तो बाज़ार की भावनाओं को ठेस पहुंचेगी। यानी जनता को जो रोज ठोकरें मिल रही हैं वे कुछ नहीं, कार्पोरेट को रत्ती भर भी असुविधा नहीं होनी चाहिये।

मोदी की मदहोशी में जनता की खामोशी दब सी गयी है। लेकिन भूलना नहीं चाहिये कि तीन महीने पहले ही जनता ने दिल्ली में करारी लात मारी थी। जाहिर है इतने से मदहोशी का आलम टूटा नहीं है। चन्द महीनों में बिहार और अगले वर्ष पंजाब के चुनाव आने हैं। रही-सही कसर उनमें पूरी हो जायेगी।

ख़बर दार

नये 'अवतार' में राहुल गांधी

कुछ दिनों से राहुल गांधी एक नये अवतार में नज़र आ रहे हैं। वे अपने संसदीय क्षेत्र अमेठी और सुदूर राज्यों के दौरे तो कर ही रहे हैं, उन्होंने संसद में बोलना भी शुरू कर दिया है। उनके भाषणों में पैनापन आने से कांग्रेसियों के मुर्दा पड़े चेहरे भी खिलने लगे हैं। यह राज़ जानने के लिये 'मज़दूर मोर्चा' ने उनका काल्पनिक साक्षात्कार किया।

म.मो-राहुल जी आप विदेशी छुट्टी से लौट कर अचानक इतने सक्रिय कैसे हो गये?

राहुल-इसमें मेरा कोई योगदान नहीं है। दरअसल कांग्रेसी बार-बार प्रियंका को लाने की बात करने लगे थे और भाजपाई मुझे पप्पू कहने लगे थे। लिहाज़ा मैंने सोचा कि क्यों न सक्रिय होकर भी देख लें।

म.मो.-यह सूट-बूट की सरकार वाला जुमला आपके ध्यान में कैसे आया?

राहुल-मोदी जी हमें मां-बेटे की सरकार कहा करते थे। मैं उन्हें बाप-बेटे या पति-पत्नी की सरकार तो कह नहीं सकता था। मोदी-शाह की तुगबंदी भी नहीं बनती। हमने एक दिन अंताक्षरी की और वहां सूट-बूट का जुमला सबको पसंद आ गया।

म.मो.-क्या आपको नहीं लगता कि मोदी सरकार इससे बौखला गयी और उसने आपके जीजा राबर्ट वाड्रा के खिलाफ़ जांच कमीशन बैठा दिया। आपको चिन्ता नहीं हो रही?

राहुल-अरे चिन्ता की कोई बात नहीं है। इस घपले में डी एल एफ़ वाले भी तो फ़ंसते हैं। उनके खिलाफ़ कार्यवाही करने का दम भाजपाईयों में हो नहीं सकता। आखिर डी एल एफ़ की लूट में उनकी भी तो हिस्सेदारी है। भई खुद ही सोचो अगर भाजपा सरकार को हमारे जीजा वाड्रा को सींखचों के पीछे भेज चुके होते।

म.मो.-किसानों की आज आप इतनी बातें कर रहे हो, आत्महत्यायें तो आपके राज में भी होती थी।

राहुल-अब हमारी भूमिका बदल गयी है। इसलिये पहले जो चिल्लपों भाजपाई करते थे, हम कर रहे हैं। इसी तरह जो हम शासन में बैठ कर करते थे वही सब आज भाजपाई कर रहे हैं। आगे भी भूमिकायें इसी तरह बदलती रहेंगी।

म.मो.-अन्त में आप यह तो बता दीजिये कि आप छुट्टी पर गये कहां थे?

राहुल-जरूर बता देता लेकिन मम्मी ने इसकी इजाजत नहीं दी है।

'अच्छे दिन आ चुके' लौटो भारत

पीएम नरेन्द्र मोदी की देशसेवा और विदेश सेवा देखकर मन गदगद है ! देश में चौतरफा खुशहाली लौट आयी है ! विपक्ष का अंत कर दिया गया है ! किसान मजदूर काम पर लगे हैं!! कहीं पर कोई आंदोलन नहीं है।

विदेश यात्राओं के दौरान आप्रवासी भारतीयों का मोदी प्रेम देखकर मन विष्णु-विष्णु हो गया है!! आप्रवासी भारतीयों का मोदी.मोदी संकीर्तन सुनकर मन यही कह रहा है भारतीय भाईयो.बहिनो तुरंत देश लौटो, मोदी के भारत निर्माण प्रकल्प को पूरा करो, कोई भारतीय विदेश में न रहे, सब अपने देश में रहें !!

भारत में विगत एक साल से दूध.घी की नदियां बह रही हैं ! कोई खानेवाला नहीं है! लाखों एकड़ जमीन कारखानों के लिए फालतू पड़ी है कोई पैसा लगाने वाला नहीं है! सारे चैनल मोदी मोदी कर रहे हैं, कोई वैविध्यपूर्ण कार्यक्रम देने वाला नहीं है! गुजरात में तो पैसे के निवेश से लेकर आदमी के निवेश की अनंत संभावनाएं हैं, कुछ साल तो गुजारो गुजरात में !!

सच्चे मोदीभक्त हो तो लौटो भारत, यहां नौकरियां हैं, बैंक लोन है,कौशल के विकास के अनेक संस्थान हैं, वे तमाम अमीर हैं जो मोदी के साथ विदेशयात्रा में जा रहे हैं,यह जान लो भारत में अब गरीबी नहीं है, आम लोग स्वस्थ रहते हैं, प्रदूषण नाम की चीज का स्वच्छता अभियान के द्वारा एक साल में अंत कर दिया गया है !!

सारे मंत्रालय ईमानदारी से काम कर रहे हैं! धड़ाधड़ प्रकल्पों को मंजूरी दी जा रही है!कौशलपूर्ण भारतीयों का अकाल है! नौकरियां हैं लेकिन लोग नहीं हैं!कम से कम अब तो मान लो, पीएम मोदी आपके पास विदेश में जाकर अनुरोध कर रहे हैं, लौटो देश को, देखो पीएम मोदी बिना सोए काम कर रहे हैं !! हम आपको सोते हुए काम का अवसर देने का वायदा करते हैं! एकबार भारत आकर तो देखो अच्छा लगेगा!! मौका चूक गए और चीन की जनता ने भारत की ओर प्रायाण शुरु कर दिया तो संभवत: रहने के लिए घर भी न मिलें, नौकरी भी न मिले, बेहतर है चीनियों के आने के पहले चले आओ और काम.धंधा गुजरात से ही आरंभ करो, गुजरात को हब बनाओ और जीवन का आनंदमय समय दांडियां करते हुए गुजारो !!